

## भारतीय रेलवे नवाचार नीति

### प्रलिस के लयः

भारतीय रेलवे नवाचार नीति

### मेन्स के लयः

भारतीय रेलवे नवाचार नीति, भारतीय रेलवे ।

## चर्चा में क्यों?

हाल ही में रेल मंत्री द्वारा भारतीय रेलवे नवाचार नीति "रेलवे के लयः स्टार्टअप" (StartUps For Railways) शुरू कयः गयः है ।

### नीतिकी मुख्य वशिषताएं:

- नवोनमेषकों को रेलवे में तकनीकी समाधान के लयः 1.5 करोड़ रुपए तक की अनुदान राशी सामान बंटवारे के आधार पर मुहैया कराई जाएगी ।
- यह पॉलिसी बहुत व्यापक और इस्तेमाल नहीं कयः गए स्टार्टअप इकोसिस्टम की भागीदारी के माध्यम से रेलवे के संचालन, रखरखाव और बुनयिदी ढाँचे के नरिमाण क्षेत्र में बड़े पैमाने पर दक्षता लाने में मददगार साबति होगी ।
- रेलवे में प्रोटोटाइप का ट्रायल कयः जाएगा ।
- प्रोटोटाइप के सफल प्रदर्शन पर तैनाती को बढ़ाने के लयः बढ़ी हुई धनराशी प्रदान की जाएगी ।
- नवोनमेषकों का चयन एक पारदर्शी और नषिपक्ष प्रणाली द्वारा कयः जाएगा जसि ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से पूरा कयः जाएगा ।
- वकिसति **बौद्धिक संपदा अधिकार** (IPR) केवल नवप्रवर्तकों के पास रहेंगे ।
- वलिंब से बचने हेतु संभागीय स्तर पर संपूर्ण उत्पाद विकास प्रक्रयः का वकिंद्रीकरण कयः जाएगा ।

### पहचाने गए मुददे:

- भारतीय रेलवे के वभिन्न मंडलों, क्षेत्रीय कार्यालयों या ज़ोनों से प्रापत 100 से अधिक समस्या वविरणों में से इस कार्यक्रम के चरण 1 के लयः रेल फरैकचर, हेडवे रडिक्शन इत्यादि जैसे ग्यारह समस्या वविरण लयः गए हैं ।

### अपेक्षति लाभ:

- यह नीति एक बहुत बड़े और अपरयुक्त स्टार्टअप पारसिथतिकी तंत्र की भागीदारी के माध्यम से संचालन, रखरखाव और आधारभूत संरचना के नरिमाण के क्षेत्र में मानक और दक्षता लाएगी ।
- इसका उददेश्य भारतीय रेलवे की परचालन दक्षता और सुरक्षा में सुधार के लयः भारतीय स्टार्टअप/MSME/नवोनमेषकों/उदयमयिों द्वारा वकिसति अभनिव प्रौद्योगिकियिों का लाभ उठाना भी है ।
- यह रेलवे क्षेत्र में सह-नरिमाण और सह-नवाचार के लयः देश में "नवाचार संस्कृति" को बढ़ावा देगा ।

## भारतीय रेलवे :

### परचयः

- भारतीय रेलवे का नेटवर्क दुनयिा में सबसे बड़ा (लंबाई में) नेटवर्क है ।
- यह माल ढुलाई और यात्रयिों दोनों की आवाज़ाही की सुवधिा प्रदान करता है और अर्थव्यवस्था के विकास में योगदान देता है ।
- भारतीय रेलवे की **शुरुआत वर्ष 1853** में हुई थी, जब **बॉम्बे से ठाणे तक 34 कमी.** की दूरी तय करने के लयः एक लाइन का नरिमाण कयः गयः ।
- भारतीय रेल **देश का सबसे बड़ा सरकारी उपक्रम** है ।
- भारतीय रेलवे नेटवर्क की लंबाई 67,956 कमी. (रेलवे ईयरबुक 2019-20) थी ।

### ज़ोन:

- भारत में रेल प्रणाली को 16 ज़ोन में बाँटा गयः है ।

रेलवे ज़ोन	मुख्यालय
मध्य	मुंबई CST

पूरवी	कोलकाता
मध्य पूरवी	हाजीपुर
पूरव	भुवनेश्वर
उत्तरी	नई दलिली
उत्तर पूरवी	गोरखपुर
उत्तर पूरव सीमांत	मालीगाँव (गुवाहाटी)
उत्तर पश्चिमी	जयपुर
दक्षिणी	चेन्नई
दक्षिण मध्य	सकिंदराबाद
दक्षिण पूरवी	कोलकाता
दक्षिण पूरव मध्य	बलिसपुर
दक्षिण पश्चिमी	हुबली
पश्चिमी	मुंबई (चरच गेट)
पश्चिम मध्य	जबलपुर

- भारतीय रेलवे के चार स्थल दार्जलिगि हिमालयन रेलवे (1999), नीलगरि माउंटेन रेलवे (2005), कालका शमिला रेलवे (2008) और छत्रपति शिवाजी टर्मिनस, मुंबई (2004) यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों में शामिल हैं।
  - माथेरान लाइट रेलवे और कांगड़ा वैली रेलवे यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों की प्रतीक्षारत या अस्थायी सूची में शामिल हैं।

## यूपीएससी सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्षों के प्रश्न:

भारतीय रेलवे द्वारा इस्तेमाल किये जाने वाले जैव शौचालयों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: (2015))

1. जैव-शौचालय में मानव अपशषिट का अपघटन एक कवक इनोकुलम द्वारा शुरु किया जाता है।
2. इस अपघटन में अमोनिया और जलवाष्प ही एकमात्र अंतिम उत्पाद हैं जो वायुमंडल में छोड़े जाते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- भारतीय रेलवे की जैव-शौचालय परियोजना प्रौद्योगिकी का एक अभिनव और स्वदेशी विकास है। यह अपनी तरह की पहली तकनीक है और मानव अपशषिट के त्वरित अपघटन के लिये दुनिया में किसी भी रेलमार्ग द्वारा पहली बार इसका उपयोग किया जा रहा है।
- इन जैव-शौचालयों को शौचालयों के नीचे फिट किया जाता है और उनमें छोड़े गए मानव अपशषिट पर एनारोबिक बैक्टीरिया की एक कॉलोनी द्वारा अपघटन कराया जाता है जो मानव अपशषिट को मुख्य रूप से पानी में परिवर्तित करता है और मीथेन, अमोनिया आदि जैसी जैव-गैसों के रूप में कम मात्रा में परिवर्तित करता है। **अतः कथन 1 और 2 सही नहीं हैं।**
- गैसों वायुमंडल में चली जाती हैं और अपशषिट जल को क्लोरीनीकरण के बाद ट्रैक पर छोड़ दिया जाता है।
- इस प्रकार मानव अपशषिट रेलवे पटरियों पर नहीं गरिता है, जिससे प्लेटफार्मों पर सफाई और स्वच्छता में सुधार होता है, और ट्रैक एवं कोच रखरखाव कर्मचारियों को अपना काम अधिक कुशलता से करने में सुविधा होती है।

अतः विकल्प (d) सही है।

स्रोत: पी.आई.बी.

